सितार-वादन की शैलियाँ

रजनी भटनागर

MANOHAR MEMORIAL COLLEGE
37219
Accession No. .....
Class No. .....
LIBRARY

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स
नई दिल्ली-110 002

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

अपनी बात *v*

1. भूमिका **1**
अध्ययन की सीमायें–सितार वादन शैली के निर्मायक, वीणा तथा सितार के वादन-शिल्प का निरूपण, आश्रावणा के शुष्काक्षर गीत, कुछ और वीणाएँ , आधुनिक वीणाएँ, वीणा कल और आज संक्षेप में वादन परिवर्तन, सितार

2. सितार-वादन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि **95**
मुस्लिम युग में सितार की प्रतिष्ठा एवं रूप-परिवर्तन

3. वादन-शिल्प-निरूपण **119**
सितार का वादन-शिल्प, सितार वादन के अंग, गत, द्रुत गत, सेन वंशीय घराने की गत

4. मध्ययुगीन सितार **150**

5. सेनवंशीय सितार-वादन **160**

6. इटावा-परम्परा का सितार-वादन **180**

7. सितार का पूर्वी बाज **189**
उक्त वादन-शैली का विकास तथा सामयिक, सन्दर्भ में उसकी विशेषताएँ

8. आधुनिक सितार : घरानेदारी का अन्त **207**

9. वर्तमान सितार **219**

सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची **239**

Scanned by TapScanner